

1. Acc. No: → 50529, सुन्दर संगार । सुन्दर कारीकृत ।
2. Acc. No: → 50530. नामदेव जीकी पारिचर्य । अनन्तदासकृत ।
3. Acc. No: → 50531. तिलोचन जीकी पारिचर्य । अनन्तदासकृत ।
4. Acc. No: → 50532. अंगद जीकी पारिचर्य । अनन्तदासकृत ।
5. Acc. No: → 50533. प्रह्लाद लीला ।  
कबीर जे दोहे ।
7. Acc. No: → 50535. शिव नावली ।
8. Acc. No: → 50536. सुन्दर लीला ।
9. Acc. No: → 50537. ध्रुव चरित्र ।
10. Acc. No: → 50538. कलजुग पचीसी ।
11. Acc. No: → 50539. सुन्दर संगार । सुन्दर कारीकृत ।

*[Handwritten signature]*







तें सो ते स मु अ स व कु गः स ध्या द्या राल  
नः वाल ज वाल स ठार ग म ज न गे को  
रा इः स ध्या द्या स क ठ त तें ता हि म ठा व  
इः सा कु प र व छु रा नि च र इ को ग म  
वा ठार सो पुर ना गः सा ल्ले ग धु स  
ठा ग लो न स सु द र ग म धु व ना इ को  
ग म ज तौ लो च न अ स ठ लाल स पा नो  
जो ग म को रं ग म पा गेः लाल त जी व र वा  
द यो त म तौ हरी ठु ल उ पार न लाल गः ग म  
प्री ठा द्या रा द्या राः सा ठु म स स को ज को सा  
मि नि करे प्र सा सः र नि को रु धी ध्र र तें स ठु प्रे  
ठा द्या र पः ज प्पा स चितः ग म व त ठा ग म द  
र सो उ गी ग म इ ग म इ ग म गे लो धो मी हौ वे  
ल सु द र ज न प ठा ठ जो प म्पाः वे ठा र ल स  
ज म र ग म पु न उ सार वे गी त ठा क हौ ग म व ल  
ल लाली म र हा य सोः रु क ठ नो ठ न व ठा इ



॥ १ ॥ राश नें न स छु सि स दानि धे जी साहु  
 ॥ २ ॥ पु सोः ॥ वजा ॥ शजा ॥ गो पा ॥ से ज वज ॥  
 ॥ ३ ॥ वि क्या नी सु सु क्पा ॥ ना ना ह सा धा से ॥  
 ॥ ४ ॥ ना ह पे घ साः ॥ म व प्रो ॥ ४ ॥ म धी राः  
 ॥ ५ ॥ सो पा दा धरा ॥ इ सु नि र धा जा स ॥ म ॥  
 ॥ ६ ॥ पुः स व धाः ॥ ४ ॥ ग व ॥ ४ ॥ सु सु द र व ॥ ४ ॥  
 ॥ ७ ॥ ज न स नी स न ह प्पा धा पा सि धः व ती धा  
 ॥ ८ ॥ न ह नि ह सो ॥ छ ती धा म जी ॥ म ॥ र न व  
 ॥ ९ ॥ व सा धः ॥ ह सि मो सो ॥ ठ का ह सि ल ॥ कु का ह ठ सि  
 ॥ १० ॥ म ॥ प ज हा व त हा ठ सा प्रः ॥ प क व ॥ ४ ॥ न तु व  
 ॥ ११ ॥ क वार ज ठ जे रा का व ज ठ ॥ ४ ॥ म स र सि धः ॥ म  
 ॥ १२ ॥ पान्चः ॥ म ल सा गी ज ना ति ल गे रा ध ग ॥ त व  
 ॥ १३ ॥ तो ॥ तु न रा ॥ ह व ॥ ल ॥ तुः ॥ क वि ॥ सु द र उ ल ॥  
 ॥ १४ ॥ म ॥ ४ ॥ सु न ॥ इ त न प र सा ठ का र ॥ म व कुः ॥ म  
 ॥ १५ ॥ सु सु द रः ॥ न न सो व सा ॥ ४ ॥ क टि ध ज न क म प  
 ॥ १६ ॥ न ॥ कु न ना ज म ॥ श म व कुः ॥ ज ॥ १ ॥ म ॥ धा ॥ म ॥ ध







ਜਿਸੇ ਕੀ ਕੋਐ ਮਦਰਸੇ ਪਾਠ ਸਾਧਿ ਰਾਹੇ ਕੁਝ ਰੁਕੇ  
ਸਮਾ ਲਾਹੇ ਮਚਨਾ ਰੇ ਹੀ ਲਾਲ ਸਾ ਪ੍ਰਥਾ ਲਪ  
ਪ੍ਰਾਹੁ ਨੀ ਕਾਨਿ ਕੋਐ ਸੇ ਵਰੁ ਰੁਕੁ : ੬੩

ਬੀ  
ਜਰ



50599-51824

दान में प्राप्त

दाता श्री पं० रामचन्द्र शर्मा  
सोलह राम पुस्तकालय  
पता सराय बलभद्र  
रेवाड़ी (गुड़गावा)